ई-न्यूज

24 न्यूज अपडेट

WebSite.: https://24newsupdate.in

उदयपुर, शनिवार 5 अक्टूबर 2024

Mail Id :desk24newsupdate@gmail.com

वर्ष 1 अंक 213

बंगाल में 10 साल की बच्ची का शव मिला:परिवार बोला- रेप के बाद हत्या हुई; भीड़ ने चौकी फूंकी, अधिकारियों को बंधक बनाने की कोशिश की

24 न्यूज अपडेट

पश्चिम बंगाल के साउथ 24 परगना में आज सुबह 10 साल की बच्ची का शव मिला। परिवार ने बच्ची से रेप के बाद उसकी हत्या का दावा किया है। घटना कृपाखाली इलाके के कुलटाली थाना क्षेत्र की है। स्थानीय लोगों का कहना है कि बच्ची 4 अक्टूबर की शाम से लापता थी, लेकिन पुलिस ने एक्शन लेने में देरी की।

घटना के विरोध में लोगों ने महिस्मारी पुलिस चौकी को घेरा और पुलिस पर डंडों और पत्थरों से वार किया। लोगों ने पुलिस चौकी में भी तोड़फोड की और आखिर में वहां आग लगा दी। लोगों का आक्रोश देख पुलिसकर्मी चौकी छोड़कर भाग गए।

लोगों ने घटनास्थल पर SDPO और अन्य पुलिसकर्मियों को बंधक बनाने की भी कोशिश की। इसके बाद इलाके में भारी पुलिस बल भेजा गया। पुलिस ने भीड़ को काबू करने के लिए आंसू गैस के गोले छोड़े।

कुलटाली के TMC विधायक गणेश मंडल ग्रामीणों को शांत करने के लिए मौके पर गए, लेकिन लोगों ने उन्हें भी खदेड़ दिया। मंडल ने बाद में मीडिया से कहा कि वे लोगों के गुस्से को समझते हैं, लेकिन उन्हें कानून अपने हाथ में नहीं लेना चाहिए।

लोग बोले- पुलिस ने कोलकाता रेप-मर्डर केस जैसा रवैया दिखाया

एक स्थानीय व्यक्ति ने दावा किया कि 4 अक्टूबर को बच्ची के लापता होने के बाद परिवार ने महिस्मारी चौकी में FIR दर्ज कराई थी। हालांकि पुलिस ने इस शिकायत को गंभीरता से नहीं लिया और कार्रवाई नहीं की। पुलिस का रवैया वैसा ही था जैसा आरजी कर अस्पताल में ट्रेनी डॉक्टर के रेप-मर्डर के बाद शव मिलने के कोलकाता पुलिस का रवैया था।

लोगों ने कहा, 'जब तक कि हमारी बेटी के रेप और हत्या के सभी आरोपियों को सजा नहीं मिल जाती, तब तक हम आंदोलन करेंगे। पुलिस के उन अधिकारियों के खिलाफ भी कार्रवाई होनी चाहिए, जिन्होंने एक्शन लेने में देरी की। अगर पुलिस ने तुरंत कार्रवाई की होती, तो लड़की को बचाया जा सकता था।'

भाजपा बोली- ममता बनर्जी बंगाल में लड़कियों की सुरक्षा नहीं कर पा रहीं

केंद्रीय मंत्री और पश्चिम बंगाल भाजपा अध्यक्ष सुकांत मजूमदार ने कहा, 'कृपाखाली में ट्यूशन से लौट रही चौथी कक्षा की एक बच्ची से रेप के बाद हत्या कर दी गई। ग्रामीणों ने नदी के तल से उसका शव बरामद किया। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी महिलाओं की सुरक्षा नहीं कर पा रही हैं। नवरात्रि में भी बंगाल की लड़कियां सुरक्षित नहीं हैं। मैं ममता बनर्जी से पूछना चाहता हूं कि आपके कुशासन में और कितनी बंगाली लड़कियों को यह दुर्दशा झेलनी पड़ेगी।'

भाजपा विधायक अग्निमित्रा पॉल ने कहा, 'कल ट्यूशन से लौट रही 9 साल की बच्ची का शव आज नहर में मिला। ममता बनर्जी की पुलिस ने FIR दर्ज नहीं की। जिन लोगों ने बच्ची का शव देखा है, उनके अनुसार उसके शरीर पर अभया (कोलकाता ट्रेनी डॉक्टर रेप-मर्डर) के शरीर जैसी ही चोटें थीं।

इस मामले में शव को सुरक्षित रखना चाहिए। पोस्टमॉर्टम केंद्र सरकार के अधीन किसी अस्पताल में होना चाहिए। मैंने बच्ची के पिता से बात की और वे इस बात से सहमत हैं कि शव को सुरक्षित रखना चाहिए। CM को जिम्मेदारी लेनी चाहिए क्योंकि वे आरोपियों को बचा रही हैं। हम आरोपियों को फांसी की सजा और मामले की CBI जांच की मांग करेंगे।'

चौथी कक्षा की बच्ची का शव नहर में मिला, रेप के बाद हत्या का आरोप, उग्र भीड़ ने पुलिस चौकी को फूंका

24 न्यूज अपडेट

जयनगर (पश्चिम बंगाल): दक्षिण 24 परगना जिले के जयनगर में शुक्रवार रात से लापता 11 वर्षीय लड़की का शव नहर में मिला. लड़की के परिवार के सदस्यों ने आरोप लगाया है कि बच्ची के शव को नहर में फेंकने से पहले उसके साथ दुष्कर्म किया गया. साथ ही पुलिस पर गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज करने में लापरवाही बरतने का आरोप लगाया है ।

वहीं, इस मामले को लेकर स्थानीय लोगों ने बड़े पैमाने पर विरोध प्रदर्शन किया. ग्रामीणों की भीड़ ने लाठी-डंडों से पुलिस थाने में तोड़फोड़ की और पथराव किया. अन्य सार्वजनिक संपत्तियों को भी नुकसान पहुंचाया. भीड़ ने पुलिस से अपराधी का पता लगाने और उसे उनके हवाले करने की मांग की है. कुलताली थाने के प्रभारी निरीक्षक शनिवार सुबह घटनास्थल पर पहुंचे और प्रदर्शन कर रहे लोगों को आश्वासन दिया कि अपराधी को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा और उसे सजा दी जाएगी. उन्होंने कहा, "मैं इस क्षेत्र के लोगों से वादा करता हूं कि इस जघन्य अपराध को अंजाम देने वाले व्यक्ति को जल्द ही पकड़ लिया जाएगा."

पुलिस ने बताया कि शुक्रवार शाम को नाबालिग बच्ची ट्यूशन से घर लौट रही थी, तभी वह अचानक लापता हो गई. इसके बाद परिवार ने स्थानीय पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई. शनिवार की सुबह नगर में बच्ची का शव मिलने के बाद इलाके में सनसनी फैल गई और बड़ी संख्या में लोग इकट्ठा हो गए और विरोध प्रदर्शन शुरू कर दिया.

कोलकाता के आरजी कर अस्पताल मामले की तरह ही यहां के लोगों ने भी पुलिस पर लापरवाही का आरोप लगाया है. उनका कहना है कि अधिकारियों ने समय पर कार्रवाई नहीं की, जिसके कारण यह दुखद घटना हुई ।

हरियाणा में 5 बजे तक 61% वोटिंग:जगाधरी में फर्जी मतदान पर हंगामा, नूंह-हिसार में झड़प; विनेश फोगाट ने बूथ कैप्चरिंग के आरोप नकारे

24 न्यूज अपडेट

हरियाणा. हरियाणा में विधानसभा की 90 सीटों पर शाम 6 बजे मतदान खत्म हो गया। चुनाव आयोग के शाम 5 बजे तक जारी आंकड़ों के मुताबिक 61% मतदान हुआ है। सबसे ज्यादा 67.93% वोटिंग यमुनानगर में, उसके बाद पलवल में 67.69 और फतेहाबाद में 67.05 प्रतिशत वोटिंग हुई। सबसे कम वोटिंग 49.97 प्रतिशत गुरुग्राम में हुई। रिजल्ट 8 अक्टूबर को आएगा। नूंह में वोटिंग के दौरान 3 जगह बवाल हुआ। कांग्रेस, इनेलो-बसपा और निर्दलीय उम्मीदवारों के समर्थकों के बीच पथराव हो गया। पथराव में 2 लोग घायल हुए हैं। बवाल को देखते हुए चंदेनी, ख्वाजा कलां और गुलालता में पुलिस बल की तैनाती की गई। डीएसपी सुरेंद्र भी गांव का दौरा करने पहुंचे। उधर, जींद के जुलाना से कांग्रेस कैंडिडेट विनेश फोगाट ने बूथ कैप्चरिंग के आरोप नकार दिए हैं। उन्होंने कहा कि ईमानदारी से पोलिंग हो रही है। कई गांवों का दौरा किया, कहीं भी ऐसी शिकायत नहीं मिली। सुबह भाजपा प्रत्याशी कैप्टन योगेश बैरागी ने कांग्रेस पर बूथ कैप्चरिंग के आरोप लगाए थे। इस पर वह बूथ पर पहुंचे थे। जहां उनके साथ धक्कामुक्की हुई थी।

मोदी बोले- हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे

कांग्रेस का मकसद बांटो और सत्ता में रहो, वे दलित-आदिवासियों को अपने बराबर नहीं समझते

24 न्यूज अपडेट

मुंबई. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी शनिवार को महाराष्ट्र के ठाणे की रैली में कहा- कांग्रेस और उनके सहयोगियों का एक ही मिशन है- बांटो और सत्ता में रहो। वह जानती है उसका वोट बैंक एक रहेगा। हम बंटेंगे तो बांटने वाले महफिल सजाएंगे, जश्न मनाएंगे। कांग्रेस को अर्बन नक्सल गैंग चला रहे हैं। वह देश विरोधियों के साथ खड़ी है।

वे (कांग्रेस) सोचते हैं कि अगर हम सभी एकजुट हो जाएंगे, तो देश को बांटने का उनका एजेंडा फेल हो जाएगा। कांग्रेस की सोच शुरू से ही विदेशी रही है। अंग्रेजी हुकूमत की तरह कांग्रेस परिवार भी दलित, पिछड़ों और आदिवासियों को अपने बराबर नहीं समझता।

इससे पहले उन्होंने वाशिम में कई परियोजनाओं के उद्घाटन के बाद एक कार्यक्रम में कहा कि हाल ही में दिल्ली में हजारों करोड़ रुपए की ड्रग्स जब्त की गई है। एक कांग्रेस नेता ड्रग्स रैकेट का सरगना है। कांग्रेस युवाओं को नशे की लत में धकेलकर मिलने वाले पैसे से चुनाव लड़ना चाहती है।

दरअसल, दिल्ली के महरौली में 2 अक्टूबर को 560 किलोग्राम कोकीन जब्त की गई। बाजार में इसकी कीमत करीब 5600 करोड़ है। इसका मुख्य आरोपी तुषार गोयल 2022 में दिल्ली प्रदेश कांग्रेस की RTI सेल का चेयरमैन रह चुका है। आरोपी की सोशल मीडिया प्रोफाइल पर भी RTI सेल चेयरमैन, दिल्ली प्रदेश कांग्रेस लिखा हुआ है। मोदी ने वाशिम से महाराष्ट्र दौरे की शुरुआत की। उन्होंने पोहरादेवी में जगदंबा माता मंदिर में पूजा-अर्चना की और पारंपरिक ढोल बजाया।

इसके बाद संत सेवालाल महाराज और संत रामराव महाराज की समाधि पर श्रद्धांजलि अर्पित की।

इसके बाद PM मोदी ने वाशिम में बंजारा विरासत म्यूजियम का उद्घाटन किया। फिर एक कार्यक्रम में पीएम-किसान सम्मान निधि की 18वीं किस्त जारी की। PM ने वाशिम में करीब 23,300 करोड़ रुपए की कृषि और पशुपालन क्षेत्र से जुड़ी योजनाओं की शुरुआत की।

PM मोदी आज महाराष्ट्र में कुल 56,000 करोड़ रुपए से अधिक की लागत वाले डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स की शुरुआत करने वाले हैं। वे ठाणे में 32,800 करोड़ रुपए से ज्यादा की विकास परियोजनाओं का उद्घाटन और शिलान्यास करेंगे।

इसके बाद PM मुंबई में लगभग 14,120 करोड़ रुपए की लागत वाली मुंबई मेट्रो लाइन-3 के बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स (BKC) से आरे जोगेश्वरी-विक्रोली लिंक रोड (JVLR) सेक्शन का उद्घाटन करेंगे। फिर BKC और सांताक्रूज के बीच मेट्रो में सवारी भी करेंगे।

मार्क जुकरबर्ग दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी बने:जेफ बेजोस और बर्नार्ड अर्नाल्ट को पीछे छोड़ा, जुकरबर्ग की नेटवर्थ 17.73 लाख करोड़ रुपए हुई

24 न्यूज अपडेट

नई दिल्ली. जेफ बेजोस और बर्नार्ड अर्नाल्ट को पीछे छोड़कर मेटा के CEO मार्क जुकरबर्ग दुनिया के दूसरे सबसे अमीर आदमी बन गए हैं। ब्लूमबर्ग बिलेनियर इंडेक्स के मुताबिक, जुकरबर्ग की नेटवर्थ अब 211 बिलियन डॉलर यानी 17.73 लाख करोड़ रुपए हो गई है।

टेस्ला के CEO एलन मस्क 263 बिलियन डॉलर (22.09 लाख करोड़ रुपए) की नेटवर्थ के साथ दुनिया के सबसे अमीर आदमी बने हुए हैं। दुनिया के सबसे अमीरों की लिस्ट में अमेजन के CEO जेफ बेजोस 209 बिलियन डॉलर (17.56 लाख करोड़ रुपए) की नेटवर्थ के साथ तीसरे नंबर पर हैं। वहीं LVMH के CEO बर्नार्ड अर्नाल्ट 193 बिलियन डॉलर (16.21 लाख करोड़ रुपए) की नेटवर्थ के साथ चौथे नंबर पर मौजूद हैं।

2024 में जुकरबर्ग की नेटवर्थ 78.1 बिलियन डॉलर बढ़ी

2024 में मार्क जुकरबर्ग की नेटवर्थ में अब तक 78.1 बिलियन डॉलर (6.5 लाख करोड़) की ग्रोथ हुई है। इसके साथ ही जुकरबर्ग 200 बिलियन डॉलर नेटवर्थ क्लब में भी शामिल हो गए हैं। इस क्लब में मस्क और बेजोस पहले से ही शामिल हैं। वहीं संपत्ति घटने की वजह से बर्नार्ड अर्नाल्ट इस क्लब से बाहर हो गए हैं।

इस साल मेटा के शेयरों में 72% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई

2004 में फेसबुक की स्थापना करने वाले जुकरबर्ग की संपत्ति का बहुत बड़ा हिस्सा मेटा प्लेटफॉर्म की सफलता का ही नतीजा है। इस साल मेटा के शेयरों में 72% से ज्यादा की बढ़ोतरी हुई है। कंपनी का शेयर 595.94 डॉलर के रिकॉर्ड हाई लेवल पर पहुंच गया है। मेटा के पास फेसबुक, इंस्टाग्राम, थ्रेड्स और मैसेजिंग ऐप वॉट्सऐप जैसे प्रमुख सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म हैं।

मॉक ड्रिल में फायर सिलेंडर फटा, अग्निवीर की हुई मौत:छाती पर लगे टुकड़े; 103 AD बटालियन में तैनात थे सौरभ

24 न्यूज अपडेट

भरतपुर. भरतपुर में आग बुझाने की मॉक ड्रिल करते समय अग्निशमन सिलेंडर फटने से 24 साल के अग्निवीर की मौत हो गई। घटना शुक्रवार दोपहर 12 बजे सेवर थाना इलाके के गोलपुरा आर्मी क्षेत्र में हुई।

सेवर थाने के ASI विजय कुमार ने बताया- भरतपुर में ट्रेनिंग कैंप के दौरान मॉक ड्रिल के दौरान जवान सौरभ ने आग बुझाने की प्रैक्टिस के दौरान अग्निशमन सिलेंडर को जमीन पर उल्टा पटका था। इसी के साथ तेज धमाका हुआ और सिलेंडर फट गया। सिलेंडर के टुकड़े जवान की छाती में लगे। अधिकारी और साथी जवान उसे गंभीर हालत में भरतपुर के जिंदल हॉस्पिटल लेकर पहुंचे। घटना की सूचना जवान के पिता राकेश पाल को दी गई। सौरभ ने इलाज के दौरान रात 8 बजे दम तोड़ दिया। रात 10 बजे शव को आरबीएम जिला हॉस्पिटल की मॉर्च्युरी में लाया गया। शनिवार को पिता व अन्य परिजन की मौजूदगी में पोस्टमॉर्टम किया गया।

ASI विजय कुमार ने बताया- भरतपुर के गोलपुरा आर्मी क्षेत्र के फील्ड में 103 AD आर्मी बटालियन कल दोपहर आग बुझाने की मॉक ड्रिल कर रही थी। इस दौरान यूपी के कन्नौज निवासी अग्निवीर सौरभ पाल (24) का अग्निशमन सिलेंडर का पीछे का हिस्सा फट गया।

संपादकीय : खेती की सुध

बढ़ती आबादी के मद्देनजर खाद्य सुरक्षा सरकार के सामने एक बड़ी चुनौती है। जलवायु परिवर्तन का प्रतिकूल प्रभाव सबसे अधिक खेती-किसानी पर देखा जा रहा है। हर वर्ष अन्न उत्पादन बढ़ाने की राह में मुश्किलें बढ़ रही हैं। ऐसे में कृषि क्षेत्र को प्रोत्साहन की दरकार महसूस की जाती रही है। केंद्रीय मंत्रिमंडल की कृषि क्षेत्र के लिए एक लाख करोड़ रुपए से अधिक की दो नई परियोजनाओं को मंजूरी मिलने से स्वाभाविक ही इस क्षेत्र में कुछ बेहतरी की उम्मीद जगी है। टिकाऊ खेती को बढ़ावा देने के मकसद से सरकार ने प्रधानमंत्री राष्ट्रीय कृषि विकास योजना और कृषोन्नति योजना नामक दो नई योजनाएं शुरू की हैं। हालांकि इस क्षेत्र के लिए पहले से कई योजनाएं चल रही हैं। कृषि कर्ज और फसल बीमा को सुविधाजनक बनाया गया है। किसानों की प्रोत्साहन राशि बढ़ा कर छह हजार से दस हजार रुपए प्रति वर्ष कर दी गई है। इनके बीच दो नई योजनाएं शुरू होने से खेती-किसानी में कुछ बेहतरी की संभावना बन सकती है। सरकार ने इस वर्ष तक किसानों की आमदनी दोगुनी करने का वादा किया था। वह वादा पूरा तो नहीं हो पाया, पर कुछ तरक्की के संकेत जरूर मिले हैं। देखना है, नई योजनाएं इस वादे को पूरा कर पाने में कितनी और कहां तक मददगार साबित होती हैं। सरकारी दावों के बरक्स जमीनी हकीकत कुछ अलग है। स्थिति यह है कि खेती लंबे समय से घाटे का उद्यम बन चुकी है बहुत सारे क्षेत्रों में सिंचाई की उचित सुविधा उपलब्ध नहीं है। वहां किसानों की मानसून पर निर्भरता है। फिर, खेती में लागत काफी बढ़ गई है। बीज, उर्वरक और कीटनाशकों आदि की कीमतें बहुत सारे किसानों की पहुंच से बाहर हो चुकी हैं। फसलों के उचित दाम नहीं मिल पाते। लागत और लाभ में काफी अंतर है। कुछ फसलें लागत से भी कम कीमत पर बेचनी पड़ती हैं। सरकार हर वर्ष न्यूनतम समर्थन मूल्य की घोषणा तो करती है, मगर उस कीमत पर भी अनाज बाजार में नहीं बिक पाता। बिचौलिए उससे काफी कम कीमत पर फसल खरीदते हैं। नगदी फसल उगाने वाले किसानों को अक्सर अनेक समस्याओं का सामना करना पड़ता है। कभी मौसम की मार से फसलें चैपट हो जाती है, तो कभी बाजार में उतार और मांग कम होने के कारण उन्हें औने-पौने दाम पर फसल बेचनी पड़ती है। हर वर्ष किसानों को प्रतिरोध में फसलें सड़कों पर फेंकते देखा जाता है। इस स्थिति से पार पाने में ये योजनाएं कितनी सफल होंगी, यही उनकी कसौटी होगी। किसान लगातार मांग करते रहे हैं कि स्वामीनाथन आयोग की सिफारिशों को लागू किया जाए। न्यूनतम समर्थन मूल्य की कानूनी गारंटी दी जाए और इसके दायरे में और फसलों को लाया जाए। इस मांग को लेकर किसान लंबे समय तक आंदोलन भी कर चुके हैं। मगर इस पर सरकार का रुख सकारात्मक नहीं देखा गया। सरकार कृषि को व्यवसाय का दर्जा देने की बात सैद्धांतिक रूप से तो करती रही है, मगर व्यावहारिक स्तर पर उसकी कृषि नीतियां प्रश्नों के दायरे में बनी रही हैं। दरअसल किसानों की समस्या तदर्थ उपायों से दूर नहीं होने वालीं। टिकाऊ कृषि के लिए व्यापक स्तर पर और व्यावहारिक उपाय करने की जरूरत है। इसके लिए उत्पादन, भंडारण, विपणन आदि खेती-किसानी के हर पहलू पर भरोसेमंद कदम उठाने होंगे। नई योजनाएं इस जरूरत को कहां तक पूरा कर पाएंगी, देखने की बात है।

बेखौफ अपराधी

उत्तर प्रदेश सरकार की ओर से अपने कामयाब शासनकाल के प्रचार में सबसे ज्यादा जोर इस पर दिया जाता है कि पिछले कुछ वर्षों के दौरान राज्य में अपराध पर काबू पाने के लिए जो अभियान चलाए गए, उससे वहां आपराधिक मानसिकता वाले खौफ से भरे हुए हैं और अपराध रुक गए हैं। मगर हकीकत यह है कि कुछ प्रचारित मामलों को छोड़ दिया जाए तो राज्य में अपराधियों का मनोबल बढ़ गया लगता है। वे अब सामूहिक कत्लेआम करने से भी बाज नहीं आ रहे अमेठी जिले में एक शिक्षक, उसकी पत्नी और दो बच्चों की हत्या से जाहिर है कि राज्य में संगठित अपराधी हों या आपराधिक मानसिकता वाले लोग, उनके भीतर पुलिस या कानून का कोई खौफ नहीं है। खबर के मुताबिक, हत्या के आरोपी ने रायबरेली से अपनी मोटरसाइकिल से अमेठी पहुंच कर इस हत्याकांड को अंजाम दिया, जिसमें उसने न केवल दंपति, बल्कि उनके दो छोटे बच्चों को भी लाइसेंसी पिस्तौल से गोली मार दी और फरार हो गया। हालांकि इस मामले में एक से अधिक अपराधियों के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। सच्चाई तो जांच के बाद सामने आएगी, मगर अपराधियों और अपराध का खात्मा करने के सरकारी दावे के बरक्स यह हत्याकांड क्या दर्शाता है ? सवाल है कि सरकार और पुलिस अब जिस सख्ती का दावा कर रही हैं, उसमें ऐसी निरंतरता क्यों नहीं होती, जिससे अपराधियों के भीतर कानून का खौफ पैदा हो ! गौरतलब है कि करीब डेढ़ महीने पहले महिला से छेड़छाड़ विरोध करने पर पति से मारपीट, जान से मारने की धमकी और जातिसूचक टिप्पणियां करने को लेकर एक व्यक्ति के खिलाफ प्राथमिकी दर्ज कराई थी। इस हत्याकांड में मुख्य रूप से उसी व्यक्ति के शामिल होने की आशंका जताई जा रही है। अब स्वाभाविक ही ये सवाल उठ रहे हैं कि उसके खिलाफ दर्ज मामले में समय रहते ठोस कार्रवाई की गई होती तो क्या चार लोगों की जान बचाई जा सकती थी ? किसी अपराध के आरोपी को मुठभेड़ में मारे जाने की सुर्खियां इस हकीकत का जवाब नहीं हो सकतीं कि राज्य में आए दिन होने वाली आपराधिक घटनाओं को अंजाम देने वाले अपराधी बेखौफ दिखने लगे हैं।

डेंगू खतरनाक : आरएएस अफसर तरू सुराणा की डेंगू ने ले ली जान, एयरलिफ्ट कर ले गए थे चेन्नई पर नहीं बची जान

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। खतरनाक होता जा रहा है डेंगू। आरएएस अधिकारी तरु सुराणा की एक महीने से इलाज के बाद डेंगू से जान चली गई। आज सुबह उनकी मौत की खबर ने सबको चौंका दिया व शोक की लहर दौड़ गई। आरएएस ऑफिसर तरु सुराणा की उम्र केवल 42 साल थी। तबीयत बिगड़ने पर एयरलिफ्ट कर चेन्नई ले गए थे। शनिवार सुबह इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। प्रदेश में डेंगू से अब तक 5 लोगों की मौत हो गई है। शुक्रवार और शनिवार को हुई मोतों के अलावा एक सरकारी डॉक्टर, नर्सिंग छात्रा और बिजनेसमैन की भी मौत हो चुकी है। आरएएस ऑफिसर तरु सुराणा उदयपुर के पंचवटी इलाके में रहती थीं और अभी वे पंजीयन और मुद्रांक विभाग में महा निरीक्षक के पद पर कार्यरत थीं। तरु तीन भाई-बहन में सबसे बड़ी थीं। इनसे छोटी बहन पूजा गुजरात में जज हैं और तीसरे नंबर पर भाई शुभव है। तरु के छोटे भाई शुभव ने बताया कि 6 सितंबर को दीदी को तेज बुखार आना शुरू हुआ था। इस पर 4 दिन तक घर पर ही इलाज लिया। 11 सितंबर को जब उनकी तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो शहर के ही गीतांजलि हॉस्पिटल में चेकअप कराया। यहां जांच हुई तो पता चला कि उन्हें डेंगू है। इसके बाद 13 सितंबर को उनको गीतांजलि हॉस्पिटल में एडमिट किया गया। शुभव ने बताया कि डेंगू में दीदी की प्लेटलेट्स नहीं गिरी थी, लेकिन बुखार लगातार बना हुआ था। जब तबीयत में सुधार नहीं हुआ तो चेन्नई के एमजीएम हॉस्पिटल के डॉक्टर्स से कॉन्टैक्ट किया। 18 सितंबर को एमजीएम हॉस्पिटल की टीम गीतांजलि हॉस्पिटल पहुंची और उसी दिन दीदी को एयर लिफ्ट कर चेन्नई ले गए। चेन्नई में 17 दिनों तक चला इलाज शुभव ने बताया- चेन्नई में डॉक्टर ने जब इलाज शुरू किया तो उन्होंने बताया कि ये काफी रेयर केस था, क्योंकि डेंगू में प्लेटलेट्स गिर जाती है, जबकि तरू की प्लेटलेट्स इतनी डाउन नहीं थी। चेन्नई में करीब 17 दिनों तक उनका इलाज चला। 5 अक्टूबर (शनिवार) को इलाज के दौरान सुबह 6 बजे उनकी मौत हो गई। शुभव ने बताया कि उनका शव फ्लाइट से शनिवार शाम 7 बजे चेन्नई से अहमदाबाद लाया जाएगा। यहां से एम्बुलेंस के जरिए पार्थिव शरीर उदयपुर आएगा। रविवार को उनका अंतिम संस्कार किया जाएगा। गीतांजलि अस्पताल उदयपुर के कार्डियक सर्जरी के हेड डॉ. संजय गांधी ने बताया- तरु सुराणा को यहां लाए तब डेंगू वायरस से हार्ट में भी दिक्कत हो गई और उनकी हालत बहुत खराब हो गई थी। अमेरिका में रहने वाले उनके परिवार के डॉक्टर भी यहां आए और हमारे साथ आईसीयू में रहे। चेन्नई की टीम भी आई और यहां 24 घंटे रुकी थी। स्थिति स्टेबल होने पर यहां से उनको एयरलिफ्ट किया था। इन पदों पर सेवाएं दे चुकीं सुराणा एमए समाजशास्त्र और नेट पास आरएएस तरु सुराणा 2012 में आरएएस बनी थीं। वे राजसमंद में सहायक कलेक्टर, राजसमंद के आमेट में एसडीएम, बांसवाड़ा के गढ़ी में एसडीएम, राजसमंद के रेलमगरा में एसडीएम, उदयपुर में महिला एवं बाल विकास विभाग में डिप्टी डायरेक्टर, यूआईटी उदयपुर में एलएओ, आरएसएमएम उदयपुर में सीनियर मैनेजर और टीआरआई उदयपुर में डायरेक्टर के पद पर रह चुकी हैं।

डेंगू रोकथाम गतिविधियां, सभी नोडल अधिकारी फिल्ड में, सीएमएचओ की पुनः आमजन से अपील

24 न्यूज अपडेट

मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ शंकर एच बामनिया ने बताया कि श्रीमान अतिरिक्त निदेशक ग्रामीण स्वास्थ्य जयपुर से प्राप्त निर्देशानुसार मौसमी बीमारियों की रोकथाम हेतु नियुक्त किए गए नोडल अधिकारी अपने आवंटित क्षेत्रों में जाकर गतिविधियों का भौतिक सत्यापन करें और रिपोर्ट पेश करें। एडिशनल सीएमएचओ डॉ रागिनी अग्रवाल को यूपीएचसी फतेहपुरा, आरसीएचओ डॉ अशोक आदित्य को यूपीएचसी पुलिस लाइन, डिप्टी सीएमएचओ डॉ अंकित जैन को यूपीएचसी गोवर्धन विलास सेक्टर 14, डीपीसी डीडीडब्ल्यू डॉ मोहन सिंह धाकड़ को यूपीएचसी प्रताप नगर, डॉ बाल मुकुंद को जगदीश चौक और डॉ प्रणव भावसार को चित्रकूट नगर क्षेत्र आवंटित किया गया। सभी नोडल अधिकारी अपने आवंटित क्षेत्र में निरीक्षण करने पहुंचे तथा घरों में जाकर भौतिक सत्यापन किया।कुछ जगहों पर पानी में लार्वा पायें गये। वहां तत्परता से कार्यवाही करते हुए उन्हें नष्ट किया गया। घरों में और घरों के आसपास एकत्रित पानी का निस्तारण किया गया। सीएमएचओ डॉ बामनिया ने बताया कि अभी भी लोगों के घरों में लार्वा पायें जा रहें हैं।लोग इसे गंभीरता से नहीं ले रहे हैं। उन्होंने पुनः अपील की है कि

महामहिम राष्ट्रपति ने जोशी को किया आदि सेवा सम्मान से सम्मानित

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 अक्टूबर। महामहिम राष्ट्रपति श्रीमती द्रौपदी मुर्मू के राजस्थान दौरे पर मानगढ़ धाम पर आयोजित कार्यक्रम में जनजाति क्षेत्र में सेवा कार्यों में संलग्न विभिन्न संगठनों के कार्यकर्ताओं को सम्मानित किया गया। इसी क्रम में राजस्थान वनवासी कल्याण परिषद के उपाध्यक्ष एवं सेवानिवृत्ति मुख्य अभियंता जगदीश प्रसाद जोशी की जनजाति क्षेत्र में उल्लेखनीय सेवाओं को देखते हुए महामहिम राष्ट्रपति ने उन्हें आदि सेवा सम्मान से नवाजा। 90 वर्षीय श्री जोशी अपने संपन्न घर परिवार से स्वेच्छा से दूर रहकर गांव विकास से राष्ट्र विकास की भावना से सुदूर जनजाति क्षेत्र में ग्राम विकास के विभिन्न आयामों पर कार्य कर रहे हैं। उनका सपना जनजाति गांव को आदर्श गांव बनाना है, जिसमें प्रमुख प्राथमिकता पशुधन एवं कृषि विकास है। श्री जोशी 90 वर्ष के उपरांत भी एक युवा कार्यकर्ता की तरह नियमित रूप से जनजाति गांव में प्रवास करते हैं उनके बीच जाकर उनकी विभिन्न समस्याओं को सुलझाने का प्रयास करते हैं।

केंद्रीय मंत्री प्रधान और स्पीकर देवनानी कल बांसवाड़ा आएंगे:त्रिपुरा सुंदरी में पूजा-अर्चना करेंगे, धर्मेंद्र प्रधान का कार्यक्रम जारी नहीं

24 न्यूज अपडेट

बांसवाड़ा. केंद्रीय शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान और विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी एक दिवसीय दौरे पर रविवार को बांसवाड़ा आएंगे। कार्यक्रम के मुताबिक केंद्रीय मंत्री प्रधान सुबह 10 बजे दिल्ली से रवाना होकर 11.20 बजे उदयपुर पहुंचेंगे। यहां से वो सड़क मार्ग से होते हुए दोपहर ढाई बजे बांसवाड़ा सर्किट हाउस आएंगे। उसके बाद वो रात्रि विश्राम भी बांसवाड़ा करेंगे। प्रधान का पूरा शेड्यूल नहीं आया कि वो कहा कार्यक्रम में शामिल होंगे लेकिन बताया जा रहा है कि वो त्रिपुरा सुंदरी मंदिर में पूजा अर्चना करेंगे। रात्रि विश्राम के बाद अगले दिन वो सुबह 9 बजे उदयपुर के लिए रवाना होंगे। वहीं दूसरी ओर विधानसभा स्पीकर वासुदेव देवनानी भी सुबह 8 बजे उदयपुर से रवाना होकर सुबह 11 बजे त्रिपुरा सुंदरी मंदिर पहुंचेंगे। शाम 4 बजे वो मंदिर से उदयपुर के लिए रवाना होंगे।

डॉ सिसोदिया का चयन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 अक्टूबर। पैसिफिक विश्वविद्यालय की एसोसिएट प्रोफेसर डॉ. रत्ना सिसोदिया का अर्जेंटीना की प्रतिष्ठित रिसर्च जर्नल रेविस्टा डे ड्रेचो एम्प्रेसरिओ के अकादमिक कॉउन्सिल की सदस्य के रूप में चयन किया गया है। 9 अंतरराष्ट्रीय सदस्यों के इस कॉउन्सिल में डॉ. सिसोदिया पहली भारतीय सदस्य है। विधि के क्षेत्र से जुड़ी यह जर्नल स्पेनिश व इंग्लिश भाषा मे शोध प्रकाशित करती है।

विधानसभा अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी आज उदयपुर में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 अक्टूबर। राजस्थान विधानसभा के अध्यक्ष श्री वासुदेव देवनानी रविवार को उदयपुर आएंगे। श्री देवनानी रविवार सुबह 8 बजे डबोक एयरपोर्ट पहुंचेंगे। वहां से सड़क मार्ग द्वारा त्रिपुरा सुंदरी बांसवाड़ा प्रस्थान करेंगे। अपराह्न 4 बजे त्रिपुरा सुंदरी से प्रस्थान कर शाम 7 बजे उदयपुर सर्किट हाउस पहुंच कर रात्रि विश्राम करेंगे। अगले दिन 7 अक्टूबर को श्री देवनानी उदयपुर में स्थानीय कार्यक्रमों में भाग लेकर शाम 6.30 बजे डबोक एयरपोर्ट से जयपुर के लिए प्रस्थान करेंगे।

शिक्षा राज्यमंत्री श्री जयंत चौधरी 7 को उदयपुर में

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 अक्टूबर। शिक्षा, कौशल विकास एवं उद्यमशीलता राज्यमंत्री श्री जयंत चौधरी 7 अक्टूबर को उदयपुर प्रवास पर रहेंगे। राज्यमंत्री श्री चौधरी 7 अक्टूबर को सुबह 8 बजे जोधपुर से प्रस्थान कर दोपहर 12 बजे उदयपुर पहुंचेंगे। वे यहां राजस्थान स्टेट कौसिंल ऑफ इजुकेशन रिसर्च एवं ट्रेनिंग का निरीक्षण करेंगे। श्री चौधरी का रात्रि विश्राम उदयपुर में रहेगा।

केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान आज उदयपुर आकर बांसवाड़ा जाएंगे

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 अक्टूबर। केंद्रीय शिक्षा मंत्री श्री धर्मेन्द्र प्रधान रविवार को उदयपुर आकर बांसवाड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे। श्री प्रधान रविवार सुबह 11.20 बजे डबोक स्थित महाराणा प्रताप हवाई अड्डा पहुंचेंगे। यहां से सड़क मार्ग से बांसवाड़ा के लिए प्रस्थान करेंगे। बांसवाड़ा में निर्धारित कार्यक्रमों में भाग लेंगे तथा रात्रि विश्राम सर्किट हाउस बांसवाड़ा में करेंगे। अगले दिन 7 अक्टूबर को सुबह 9 बजे बांसवाड़ा प्रस्थान कर 11 बजे डबोक एयरपोर्ट पहुंचेंगे तथा वहां से विमान द्वारा नई दिल्ली के लिए प्रस्थान करेंगे।

आकांक्षी ब्लॉक खेरवाड़ा में संपूर्णता अभियान का समापन

24 न्यूज अपडेट

उदयपुर, 5 अक्टूबर। आकांक्षी ब्लॉक खेरवाड़ा में संपूर्णता अभियान का समापन समारोह पंचायत समिति खेरवाड़ा के सभागार में उपखंड अधिकारी वीरेंद्र सिंह राठौड़ की अध्यक्षता में हुआ। मुख्य अतिथि मुख्य आयोजना अधिकारी पुनीत शर्मा एवं विशिष्ट अतिथि प्रधान पुष्पा देवी, पूर्व प्रधान अमृतलाल तथा राधेश्याम गर्ग रहे। नीति आयोग की प्रतिनिधि सुश्री अपूर्वा शर्मा ने संपूर्णता अभियान का महत्व व परिचय बताया। उन्होंने बताया कि संपूर्णता अभियान के दौरान सभी 6 संकेतकों की शत प्रतिशत उपलब्धि रही, अतः यह अभियान खेरवाड़ा में समृद्धि की नई कहानी की शुरुआत कहा जा सकता है। विकास अधिकारी शंकरलाल मेघवाल ने बताया कि यह उपलब्धि टीमवर्क से हुई है और आने वाले सभी इंडिकेटर को सैचुरेट करने के लिए इसी तरह टीमवर्क पर काम करें। मुख्य आयोजना अधिकारी पुनीत शर्मा ने ऑनलाइन डाटा पर वास्तविक मैनेजमेंट करने पर जोर दिया। प्रधान पुष्पादेवी, पूर्व प्रधान अमृतलाल, मुख्य ब्लॉक शिक्षा अधिकारी यशवंत डामोर मुख्य ब्लॉक चिकित्सा अधिकारी डॉ अरुण मीणा, महिला एवं बाल विकास विभाग के सीडीपीओ प्रतापसिंह, राजीविका विभाग से बीपीएम दीक्षा वैष्णव ने भी विचार व्यक्त किए। कार्यक्रम के अंत में उपखंड अधिकारी श्री राठौड़ ने कहा कि सभी संकेतकों की उपलब्धि सतत बनाए रखें व खेरवाड़ा को एक नई पहचान दें। कार्यक्रम का संचालन राउमावि खेरवाड़ा के वरिष्ठ अध्यापक कन्हैयालाल डामोर ने किया। अंत में उत्कृष्ट कार्य करने वाले विभागों को प्रशस्ति पत्र व प्रतीक चिन्ह से सम्मानित किया गया।

जज बोले- तहसीलदार की सरकारी कार कुर्क की जाएः एक्सीडेंट केस में 12 साल से नहीं चुकाए 1.50 लाख; दो बार हो चुकी है कुर्की

24 न्यूज अपडेट

बयाना (भरतपुर)। 17 साल पहले जुगाड़ (किसान वाहन) से बाइक सवार दो लोगों का एक्सीडेंट हुआ। कोर्ट ने कहा कि कलेक्टर और DTO ऐसे वाहनों के खिलाफ कार्रवाई नहीं करते, इसलिए हादसे के लिए वे भी जिम्मेदार हैं। लिहाजा मुआवजे की एक तिहाई राशि कलेक्टर-डीटीओ चुकाएंगे। 12 साल से सरकारी अधिकारी आदेश टालते जा रहे हैं। शुक्रवार को जज ने सरकारी कार कुर्क करने के आदेश दे दिए। मामला भरतपुर के बयाना का है। मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सं.-1) बयाना के आदेश पर तहसीलदार की कार शुक्रवार को कुर्क कर बयाना थाना इंचार्ज के सुपुर्द कर थाने में खड़ी कर दी गई।

2007 में जुगाड़ ने बाइक को मारी थी टक्कर

एडवोकेट हितेंद्र पटेल ने बताया- 17 साल पहले 17 नवंबर 2007 को बयाना थाना इलाके के गांव भंभूरी के रहने वाले बने सिंह और दीवान सिंह एक रिश्तेदार की शादी के कार्ड बांटने बाइक पर निकले थे। दमदमा में कार्ड बांटकर वे बयाना लौट रहे थे। बयाना की ओर आते एक जुगाड़ ने बाइक को टक्कर मार दी। हादसे में बने की टांग कट गई। दीवान सिंह के सिर में चोट लगी। बयाना थाने में केस दर्ज कराया गया। जुगाड़ के ड्राइवर के खिलाफ चार्जशीट पेश की गई।

मामला मोटर वाहन दुर्घटना दावा अधिकरण (अपर जिला एवं सेशन न्यायाधीश सं.-1) के सामने आया। पीड़ित पक्ष ने मुआवजे की मांग करते हुए याचिका पेश की। तत्कालीन पीठासीन ऑफिसर ने कमलचंद नाहर ने पीड़ित के पक्ष में 4.50 लाख का अवार्ड जारी कर दिया।

इस राशि में से एक तिहाई राशि (1.50 लाख) जिला कलेक्टर और जिला परिवहन अधिकारी (डीटीओ) को चुकाने का आदेश दिया गया। जज ने कहा- आपकी लापरवाही के कारण इलाके में जुगाड़ चल रहे हैं। आप इनके खिलाफ कार्रवाई नहीं करते। इसलिए मुआवजे की 30 परसेंट राशि आप पीड़ित को देंगे। बाकी राशि जुगाड़ का मालिक देगा।

आरोपी जुगाड़ मालिक ने राशि भरी, कलेक्टर-डीटीओ ने नहीं

आदेश पर जुगाड़ मालिक ने राशि (3 लाख) अदा कर दी। लेकिन जिला कलेक्टर और जिला परिवहन अधिकारी ने आज तक डेढ़ लाख रुपए राशि पीड़ित को नहीं दी। पिछले साल दिसंबर में प्राधिकरण ने सरकारी गाड़ी को कुर्क करने का आदेश देते हुए कहा- तहसीलदार बयाना की गाड़ी को कुर्क कर पीड़ित पक्ष को राशि चुकाई जाए।

आदेश पर 12 दिसंबर 2023 को तहसीलदार की गाड़ी कुर्क कर ली गई। इस कार्रवाई के खिलाफ तत्कालीन तहसीलदार ने एप्लीकेशन देकर कहा- यह राजकीय वाहन है, सरकारी काम में आता है। कुर्क किए जाने के बाद से सरकारी काम अटक रहे हैं। हमें एक महीने की मोहलत दी जाए। हम राशि दे देंगे।

प्रमोटी आईएएस बोले- ईश्वर, अल्लाह, गॉड जैसी कोई शक्ति नहीं: धर्मग्रंथों में जिनका वर्णन कर रखा, वह कल्पना मात्र की बातें; देश विज्ञान-तकनीक में पिछड़ा हुआ

24 न्यूज अपडेट

जयपुर। जयपुर के पुलिस मुख्यालय में तैनात आईजी मानवाधिकार किशन सहाय (आईपीएस) ने सभी धर्मों के भगवान/ईश्वर पर टिप्पणी करते हुए कहा- ईश्वर, अल्लाह, गॉड जैसी कोई शक्ति न कभी थी, न होती है। अगर इनसे हमें हिम्मत मिलती है तो यह केवल हमारा भ्रम मात्र है। धर्म ग्रंथों में जिनका भी वर्णन कर रखा है, वह कल्पना मात्र की बातें हैं। आईपीएस किशन सहाय ने कहा- भारत में 98 प्रतिशत जनसंख्या धार्मिक दृष्टिकोण की है। विभिन्न धर्मों जैसे हिंदू, इस्लाम, बौद्ध, जैन, पारसी हैं। कुछ-कुछ यहूदी भी हैं। विश्व के लगभग सभी धर्म यहां पर मौजूद हैं। हर धर्म की सुप्रीम पावर यहां पर है। लेकिन इसके बाद भी अपना देश विज्ञान और तकनीक में काफी पिछड़ा हुआ है। यानी कमजोर देश के रूप में ही है। हमारे युवा भी बेरोजगारी झेल रहे हैं, क्योंकि हमारे रोजगार तो बाहर चले जाते हैं। धार्मिक दृष्टिकोण के देश पिछड़ रहे उन्होंने कहा- साइंस टेक्नोलॉजी में पीछे रहने की वजह से और वर्तमान में हम देख रहे हैं कि जो देश धार्मिक दृष्टिकोण के हैं, वो पिछड़ रहे हैं। इजरायल और हमास के युद्ध का उदाहरण लें। हमास में इस्लामिक देश उनके साथ में हैं। यानी अल्लाह उनके साथ हो रहा है। इजराइल अमेरिका के साथ मिलकर विज्ञान और तकनीकी का इस्तेमाल करके जीत रहा है। अल्लाह कोई मदद नहीं कर पा रहा है।

भारत को गुलामी से बचाने के लिए भगवान मदद नहीं कर पाया

किशन सहाय ने कहा- इसी प्रकार भारत ने पहले गुलामी झेली थी, उस दौरान अरब, तुर्क और मुगल आए। यहां का भगवान कोई मदद नहीं कर पाए। गुलामी को नहीं बचा पाए। उसके बाद जब अंग्रेज आए तो उस दौरान भगवान के साथ-साथ हमारे साथ अल्लाह भी गुलामी को नहीं बचा सके। इतिहास से भी सीख सकते हैं कि ऐसी किसी शक्ति ने कभी हमारी मदद नहीं की।

जो तकनीक और हथियार में अच्छे वो आगे बढ़ रहे

उन्होंने कहा- भगवान ने कभी किसी देश को गुलाम होने से नहीं बचाया है। जिन देशों के पास तकनीक और हथियार अच्छे थे, वही देश आगे बढ़ रहे हैं। इसका मतलब है कि ईश्वर, अल्लाह, गॉड,जैसी कोई शक्ति न कभी थी, न होती है। अगर इनसे हमें हिम्मत मिलती है तो यह केवल हमारा भ्रम मात्र है। किशन सहाय ने कहा- धर्मग्रंथों में जिनका भी वर्णन कर रखा है, वह कल्पना मात्र की बाते हैं। तब विज्ञान की खोज नहीं हुई थी। लेकिन अब लोग जागरूक हो गए हैं। देश को आगे बढ़ाना है तो वैज्ञानिक दृष्टिकोण अपनाना होगा। वर्तमान में वही देश आगे बढ़ रहे हैं, जो विज्ञान और तकनीक पर काम कर रहे हैं। चीन में 90 प्रतिशत लोग भगवान को नहीं मानते, लेकिन देश प्रगति कर रहा है। भारत में 98 प्रतिशत लोग धार्मिक हैं, इन्हें आगे बढ़ना चाहिए। अपने बच्चे बेरोजगार घूम रहे हैं, विज्ञान में पिछड़ रहे हैं। देश ने गुलामी झेली है। किसी ईश्वर, अल्लाह, गॉड ने कोई मदद नहीं की। देश को सही दिशा देनी है तो सभी लोग इस देश को विज्ञानवाद में लाने का प्रयास करें। वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित करें। जो देश विज्ञानवाद को बढ़ावा दे रहे हैं। वो आगे बढ़ रहे हैं।

प्रमोटी आईपीएस अधिकारी है किशन सहाय

आईपीएस किशन सहाय प्रमोटी आईपीएस अधिकारी हैं। साल 2013 में आईपीएस बने थे। अगस्त 2013 में इन्हें एसपी टोंक लगाया गया था, लेकिन 11 जनवरी 2014 को एसपी पद से हटाकर एसपी जीआरपी अजमेर लगाया गया। यहां किशन सहाय पूरे एक साल तक रहे। इसके बाद उन्हें सरकार ने एपीओ कर दिया था। करीब 6 महीने एपीओ रहने के बाद सरकार ने सहाय को सीआईडी सीबी में एसपी लगाया। सहाय यहां साढ़े 4 साल तक रहे। सीआईडी के बाद जेल और फिर दोबारा सीआईडी सीबी में लगाया गया। साल 2020 में किशन सहाय को डीआईजी आर्म बटालियन पुलिस मुख्यालय में लगाया गया। यहीं पर सहाय डीआईजी से आईजी बने। 2023 में सहाय को ह्यूमन राइट्स में लगाया गया था।

बच्ची को मुंह में दबाकर दौड़ा गधा,महिला का पैर काटाः मुश्किल से छुड़ाया, 3 घायल; सोजत में तीन घंटे तक मचाया उत्पात

24 न्यूज अपडेट

सोजत (पाली). पाली के सोजत में गधे ने तीन घंटे तक जमकर उत्पात मचाया। मामला गुड़ा कलां गांव का है। सुबह 11 बजे से दोपहर 2 बजे तक गांव में गधे की दहशत रही। बाद में लोगों ने उसे मुश्किल से काबू किया और मुंह को रस्सियों से बांध दिया।

गांव वालों ने बताया- गुड़ा कलां गांव में सुबह 11 बजे गधे ने राह चलती महिला भंवरी देवी के पैर को काट लिया। महिला जोर-जोर से चिल्लाई। गधे ने पंजा नहीं छोड़ा। महिला रस्ते पर गिर पड़ी। चिल्लाने पर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे। बड़ी मुश्किल से उन्होंने गधे के चंगुल से भंवरी देवी को छुड़ाया। महिला के पैर में जख्म हो गया।

राह चलती बच्ची को मुंह में दबाया और दौड़ने लगा

इसके बाद गधे ने रास्ते पर चलती एक बच्ची को मुंह में दबा लिया और दौड़ने लगा। इससे गांव में हड़कंप मच गया। लोग चिल्लाते हुए गधे के पीछे भागे। बच्ची ने कंधे के पास से बच्ची को जबड़े में दबा रखा था। बच्ची रोती चीखती रही।

लाठी-डंडा लेकर पीछे भागता रहा मालिक और गांव वाले

गांव के लोगों ने लाठी-डंडे संभालकर गधे को गांव के रास्तों पर घेरने की कोशिश की। इस दौरान गधा दौड़ लगाता रहा। गधे का मालिक और उसके साथी भी उसे पकड़ने के लिए जुटे रहे। लोगों ने डंडों से गधे को पीटकर बच्ची को छुड़ाया।

3 घंटे बाद पकड़कर मुंह बांधा, तब मिली राहत

3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद दोपहर करीब 2 बजे गधे के मालिक और उसके साथियों ने गधे को रस्सी से जकड़ लिया। गधे के मालिक ने उसका मुंह रस्सियों से बांध दिया। इस दौरान भी गधे ने एक व्यक्ति का हाथ काट लिया। गधे के बंधने के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

तीनों घायलों को इलाज के लिए गांव के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र ले जाया गया। जहां प्राथमिक उपचार के बाद तीनों को बगड़ी हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया है।

बारहठ है तो मुमकिन है :: हिम्मत सिंह बारहठ बन गए आईएएस, देखते रह गए विरोध करने वाले, अब विधायक जैन आए विरोध में, यूपीएससी को लिखेंगे चिट्ठी

24 न्यूज अपडेट

24 न्यूज अपडेट. उदयपुर। नगर निगम के तत्कालीन आयुक्त रहे आरएएस अधिकारी हिम्मत सिंह बारहठ के खिलाफ चल रही विभागीय जांच के बाद भी आईएएस पद पर प्रमोशन लेकर शहर विधायक ताराचंद जैन ने सवाल उठाते हुए कि कहा कि जिस अधिकारी के खिलाफ विधानसभा के निर्देश पर जांच चल रही है उसका आईएएस के पद पर प्रमोशन कैसे हो सकता है। विधायक जैन ने कहा कि कार्मिक विभाग ने संघ लोक सेवा आयोग को बारहठ के खिलाफ चल रही जांच की जानकारी नही दी, जिस वजह से बारहठ का आईएएस पर प्रमोशन हो गया। जैन का कहना है कि वे इस बारे में संघ लोक सेवा आयोग को पत्र लिखकर वास्तविक स्थिति से अवगत करवाएंगे। हालांकि बारहठ का प्रमोशन आज नहीं कई दिनों पहले ही हो चुका है। अब तक विरोध क्यों नहीं किया गया इस पर भी सवाल उठ रहे हैं। उससे भी बडी बात यह है कि जो मामला विधानसभा में उठा और तत्काल जांच करके सस्पेंड तक करने की बातें कही गई, उस अधिकारी के बारे में यूपीएससी को जानकारी नहीं दी गई हो, यह तर्क ही बचकाना लगता है। कहीं उपरी स्तर पर अधिकारियों और राजनेताओं की मिलीभगत तो नहीं है जिसने यह खेल करवाया है और उदयपुर विधायक को इसकी भनक तक नहीं लगने दी। अब उनके विरोध का भी ज्यादा स्कोप नहीं बचा है। उदयपुर शहर विधायक ताराचंद जैन ने विधानसभा में यूआईटी से हस्तांतरित की गई कॉलोनियों में 272 भूखण्ड घोटालों का मुद्दा उठाया था, जिसमें कहा निगम के अधिकारियें की मिलीभगत से भूमाफियाओं ने फर्जी रसीदों के माध्यम से इन भूखण्डों पर कब्जा कर लिया। यह मामला वर्तमान में एसओजी में चल रहा है। इसके साथ ही कहा कि यूआईटी की पानेरियों की मादड़ी के खसरा नम्बर 1163 पर स्थित जमीन जिसका उच्चतम न्यायालय में प्रकरण चल रहा था। यूआईटी के निगम को इस जमीन पर पट्टे जारी नहीं करने का पत्र लिखने के बाद भी निगम के तत्कालीन आयुक्त हिम्मत सिंह बारहठ ने इस जमीन के पट्टे जारी कर दिए। जबकि मास्टर प्लॉन 2031 में यहां पर 100 फीट रोड़ प्रस्तावित है। मास्टर प्लान के अनुसार प्रस्तावित सडक़ की जमीन पर किसी तरह का आवासीय व वाणिज्यिक पट्टा जारी नहीं किया जा सकता है। विधानसभा में मुद्दा उठने पर नगरीय विकास और स्वायत्त शासन मंत्री झाबरसिंह खर्रा ने 2 अगस्त को विधानसभा में 272 पट्टों में कार्मिक विभाग को 10 दिन में आरोप पत्र भेजने और आरोप पत्र का स्पष्टीकरण आने के बाद संबंधित अधिकारी के खिलाफ कार्यवाही के लिए निर्देश दिए थे। साथ ही एसओजी को भी इस वर्ष के आखिर तक चार्जशीट पेश करने के निर्देश दिए थे। इसके बाद भी आरएएस अधिकारी हिम्मत सिंह बारहठ का आईएएस पद पर प्रमोशन हो गया। इसको लेकर ताराचंद जैन का कहा कि यूआईटी से हस्तांतरित कॉलोनियों में 272 भूखण्ड घोटाले की जांच में वर्तमान आयुक्त रामप्रकाश ने 49 पट्टों को रद्दद्द किए गए, जिसमें से 23 भूखण्डों के पट्टे तत्कालीन निगम आयुक्त हिम्मत सिंह बारहठ ने जारी किए थे। इसके साथ ही विधानसभा में मंत्री झाबर सिंह खर्रा ने 10 नि में आरोप पत्र भेजने के निर्देश दिए थे पर कार्मिक विभाग ने बारहठ को अनुचित लाभ देने के लिए जांच को लम्बित रखा और समय पर कार्यवाही नहीं की। इसके साथ ही विधायक ताराचंद जैन ने बताया कि हिम्मत सिंह बारहठ के चित्तौड़ में यूआईटी सचिव रहने के दौरान आचार संहिता के दौरान पट्टे जारी किए थे, जिसमें विभागीय स्तर पर जांच हुई थी और आचार संहिता के दौरान पट्टे जारी करने पर तत्कालीन यूआईटी सचिव हिम्मत सिंह बारहठ को आरोप पत्र दिया था। विधायक जैन का कहना है कि कार्मिक विभाग ने संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) को तत्कालीन आरएएस अधिकारी हिम्मत सिंह बारहठ को अनुचित फायदा पहुँचाने के लिए उनके खिलाफ चल रही विभागीय जांच के बारे में अंधेरे में रखा, जिस कारण से संघ लोक सेवा आयोग (यूपीएससी) ने हिम्मत सिंह बारहठ का प्रमोशन आईएएस पद पर कर दिया। विधायक ताराचंद जैन का कहना है कि यूपीएससी ने विभागीय जांच की जानकारी के अभाव में आरएएस हिम्मत सिंह बारहठ का आईएएस के पद पर किए प्रमोशन के खिलाफ यूपीएससी को पत्र लिखेंगे। साथ ही मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा और स्वायत्त शासन और नगरीय विकास मंत्री झाबरसिंह खर्रा से भी मिलकर कार्मिक विभाग की इस लापरवाही की शिकायत की जाएगी।

अंकित सर ने छोड़ी आरएएस की नौकरी, 5 करोड़ का पैकेज छोड़ थे आबकारी-अधिकारी, देख रिश्तेदार कहने लगे-ट्रक भरकर पैसे आ रहे है, बधाई में भ्रष्टाचार का पदक मिला

24 न्यूज अपडेट

अलवर. जयपुर शहर के आबकारी अधिकारी अंकित कुमार अवस्थी दो दिनों से चर्चा में है। कारण...2 साल 10 महीने की सर्विस के बाद सरकारी नौकरी से इस्तीफा दे दिया। वे 5 करोड़ का पैकेज छोड़ आबकारी अधिकारी बने थे। सरकारी नौकरी छोड़ने की वजह रही... रिश्तेदार। अंकित का कहना है कि जब जयपुर के वैशाली नगर में करोड़ों का मकान बनाया तो लोग कहने लगे कि भ्रष्टाचार के रुपए है, जो ट्रक भर-भर कर पैसे आ रहे हैं। इसके बाद डर लगने लगा कि लोग उनकी मेहनत की कमाई को रिश्वत समझने लगे। आगे भी कुछ करेंगे तो रिश्वत से ही जोड़ेंगे। अंकित ने बताया- मैंने तो गवर्नमेंट जॉब लगने से पहले कोरोना में ईमानदारी से 1 करोड़ का टैक्स दिया था। अंकित यू-ट्यूब समेत अन्य सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर बच्चों को गाइड भी करते है। उनके अलग-अलग सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर 1 करोड़ फॉलोअर्स हैं। जवाबः मैं साल 2011 से शिक्षक हूं। कई कोचिंग में पढ़ा चुका हूं। कोटा, दिल्ली व ऑनलाइन के नेशनल प्लेटफॉर्म पर पढ़ा चुका। किसी ने मुझे टोका कि कभी खुद का एग्जाम निकले तो बताना। तब मैंने आरएएस का एग्जाम पहले प्रयास में क्वालीफाई कर लिया। नौकरी में आने के बाद पढ़ाने को बहुत अधिक मिस करने लगा। अब नौकरी से इस्तीफा इसलिए दिया कि पढ़ाकर दूसरे कई लोगों को नौकरी दिला सकूं। जवाबः मैं पूरी बात बताता हूं। साल 2021 में मेरी सरकारी नौकरी लगी। आरएएस परीक्षा का दुर्भाग्य है कि सिलेक्शन के बाद जॉइनिंग में समय लगता है। कोरोना में पढ़ाई के समय बतौर टीचर करोड़ों के पैकेज पर काम किया। उस समय जमा पूंजी का उपयोग कोरोना में कर नहीं पाया। नौकरी लगने के बाद जमा पैसे से ट्रेनिंग के दौरान ही जयपुर के वैशाली नगर में 3 करोड़ का घर खरीद लिया। तब अपने लोग ही कहने लग गए कि ट्रक भर भर कर पैसा आ रहा है। इस बात के साथ गहरी निराशा थी। निराशा थी कि समाज भ्रष्टाचार को तारीफ के साथ लेने लगा है। मैं कहता हूं कि प्रोफेसर की बड़ी तनख्वाह होती है। बहुत से जॉब में काफी पैसा मिलता है। सरकारी सेवा में कुछ पद ऐसे हैं कि लोग कहने लग जाते है कि नंबर दो का माल आता होगा। आबकारी के ट्रक आते होंगे। मकान की बधाई में मुझे भ्रष्टाचार का पदक मिला। टीचर से भ्रष्टाचार की अपेक्षा नहीं कर सकते। ये बहुत ही आश्चर्यजनक था। तब मुझे लगा कि कुछ और करने की जरूरत है। इस पद को लेकर बनी भ्रष्टाचार की छवि को मैं साथ नहीं लेकर चल पा रहा था। बेवजह लोग भ्रष्टाचार का पैसा आने की मानने लग गए।

वंडर सीमेंट लि.की प्रदर्शनियों का शुभारम्भ

24 न्यूज अपडेट

राष्ट्रीय दशहरा मेला निम्बाहेड़ा में वंडर सीमेंट लि. की व्यावसायिक एवं हुनर प्रदर्शनी का उद्घाटनविधायक महोदय निम्बाहेड़ा श्रीमान श्रीचंद जी कृपलानी, वंडर सीमेंट के यूनिट हेड श्रीमान नितिन जैन, पुर्व विधायक श्रीमान अशोक नवलखा द्वारा किया गया। इस अवसर पर श्री जैन ने अतिथियों को बताया की प्रति वर्ष लगने वाली वंडर सीमेंट की व्यावसायिक प्रदर्शनी के माध्यम से मेलार्थियों को सीमेंट की बेहतर तकनीकि एवं गुणवत्ता संबंधित जानकारियां देते हुएविभिन्न गतिविधियां भी आयोजित की जायेंगी।इस दौरान अतिथियों द्वारा वंडर सीमेंट लि. द्वारा संचालित हुनर कार्यक्रम की प्रदर्शनी का भी शुभारम्भ किया गया। श्री जैन ने अतिथियों को हुनर कार्यक्रम के उद्देश्यों एवं महिलाओं द्वारा तैयार उत्पादों की जानकारीदेते हुए अवगत कराया कि कम्पनी के सहयोग से महिलाओं को मेन्सवेयर सहित डिज़ाइनर सिलाई के क्षेत्र में भी अग्रसर होने के पर्याप्त अवसर उपलब्ध कराये जा रहे हैं। यूनिट हेड श्री जैन ने अतिथियों को कम्पनी द्वारा महिला सशक्तिकरण के क्षेत्र में किये जा रहे कार्यों से अवगत कराते हुए बताया कि महिलाओं को विभिन्न प्रकार के रोजगारोन्मुखी प्रशिक्षण उपलब्ध कराकर स्वावलम्बन की ओर अग्रसर किया है। वंडर सीमेंट रुरल डवलपमेंट सेन्टर में प्रशिक्षित महिलाओं को नियमित सिलाई और बुनाई कार्य भी उपलब्ध करया जा रहा है, जिसका सजीव उदाहरण राष्ट्रीय दशहरा मेला निम्बाहेड़ा में लगातार प्रस्तुत वंडर हुनर स्वयं सहायता समुह की प्रदर्शनी है। जिसके माध्यम से ना केवल ग्रामीण महिलाओं को अपनी एक नई पहचान बनाने का अवसर प्राप्त हुआ है, अपितु महिलाओं ने स्वयं के हुनर से दुसरों को भी जागरुक किया है। उल्लेखनीय है कि वंडर सीमेंट रुरल डवलपमेंट सेन्टर मेंराजकीय विद्यालयों में अध्ययनरत विद्यार्थियों को विषयाधारित निःशुल्क कोचिंग,नवोदय कोचिंग, युवाओं के लिये विभिन्न प्रतियोगि परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी महिलाओं को विभिन्न रोजगार के अवसर, कार्यक्रम नियमित संचालित हो रहे हैं। वंडर सीमेंट की प्रदर्शनियों के उद्घाटन कार्यक्रम में वंडर सीमेंट लि. से सी.एस. आर. प्रभारी श्री हेमेन्द्र सिंह झाला, प्रबंधक (भूमि) श्री शैलेन्द्र सिंह शक्तावत सहित शहर के गणमान्य पत्रकार एवं नागरिकगण उपस्थित थे।

100 शहरों के कार्यक्रम पर आरयूआईडीपी

24 न्यूज अपडेट

निम्बाहेड़ा। 4 दिवसीय कार्यक्रम के दौरान विभिन्न विषयों एवं योजनाओं जैसे अमृत-2, सीवरेज, जलापूर्ति, स्वच्छ भारत मिशन, ठोस अपशिष्ट प्रबंधन, संचालन एवं संधारण, राजस्य प्रबंधन एवं निवेश को बढ़ावा देने पर विभिन्न विभागों के विशेषज्ञों एवं अनुभवी अधिकारियों द्वारा प्रस्तुतियां दी गयी तथा उन पर पैनल डिस्कशन किया गया। जयपुर नगर निगम (ग्रेटर) की आयुक्त श्रीमती रूकमणी रियार ने ठोस कचरा प्रबंधन, अजमेर नगर निगम के आयुक्त श्री देशल दान ने सीवरेज और सीकर नगर परिषद के आयुक्त श्री शशिकांत ने संचालन व संधारण तथा राजस्व प्रबंधन पर प्रेजेंटेशन दिये। कार्यक्रम में विश्व बैंक, एडीबी सहित भारत सरकार के 17 अधिकारियों एवं विशेषज्ञों के अलावा, स्वायत्त शासन विभाग, राज्य के नगर निकाय, जन. स्वा. अभि. विभाग, विभिन्न परियोजनाओं से जुडे अधिकारियों एवं विषय विशेषज्ञों सहित 100 से अधिक लोगों ने भाग लिया। अधिकारियों एवं विशेषज्ञों की टीम ने डेलावास सीवेज ट्रीटमेंट प्लांट व बीसलपुर- जयपुर पेयजल आपूर्ति लाइन पर बालावाला स्थित पेयजल पम्प हाउस और शहरी ठोस कचरा प्रबंधन हेतु लांगडियावास स्थित वेस्ट टू एनर्जी परियोजना का दौरा किया और कार्यप्रणाली को समझा और राज्य सरकार के शीर्ष अधिकारियों के साथ इस संबंध में भविष्य की योजनाओं और उनके क्रियान्वयन पर बैठकें की। आरयूआईडीपी के अतिरिक्त परियोजना निदेशक श्री डी.के.मीणा, डा. हेमन्त कुमार शर्मा, रूडसिको के परियोजना निदेशक (इन्फ्रा) श्री अरूण व्यास, मुख्य अभियंता (एसबीएम) श्री प्रदीप कुमार गर्ग, आरयूआईडीपी के उप परियोजना निदेशक (तकनीकी), श्री कपिल गुप्ता, उप परियोजना निदेशक (प्रशासन) श्री एस.एस. खिडिया, रूडसिको के अधीक्षण अभियन्ता श्री जगन्नाथ बैरवा एवं अन्य विभागों के अधिकारियों व विशेषज्ञों ने कार्यक्रम के दौरान विशेष भूमिका निभाई।

24 न्यूज अपडेट- डिजिटल संस्करण स्वामित्व एवं प्रसारण ग्रुप के लिए करण सिंह देवड़ा द्वारा ई-न्यूज पेपर के फारमेट में प्रसारित प्रधान सम्पादक - सुशील जैन फोन .88520 73787, desk24newsupdate@gmail.com सर्वविवादों का न्याय क्षेत्र उदयपुर रहेगा ।